(vi) मानव अधिकार संरक्षण अधिनियम 1993 की प्रमुख विशेषताओं की चर्चा कीजिए। राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग किस सीमा तक भारत में मानव अधिकारों के संवर्धन और संरक्षण में सफल रहा है?

Discuss the main feature of the protection of Human Rights Act, 1993. To what extent has the National Human Rights Commission been successful in the promotion and protection of Human Rights in India?

♦♦♦

प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम परीक्षा- 2014

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : मानव अधिकार

प्रथम पत्र – मानव अधिकार एवं कर्त्तव्य

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 100

निर्देश : सभी प्रश्न हल करें। / Note : Attempt all questions.

प्र. 1. कोई चार प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए।
Answer any four questions in brife. 4 x 5= 20

(i) न्यायिक कार्यवाई और अधिकारों का हनन
Judicial Action and violation of Rights.

(ii) विकास का अधिकार
Right to Development.

(iii) विज्ञान एवं तकनीकी का प्रभाव
Impact of Science and Technology

(iv) हिन्दू धर्म : धर्म के रूप में अधिकार
Hinduism : Rights as Dharma.

(v) भारतीय संविधान में दलितों के अधिकार
Dalit Rights in the Indian constitution.

प्र. 2. निम्नलिखित में से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में दें।
Answer any five of the following questions in about 100 words each. 5 x 8= 40

(i) राज्य नीति के निदेशक सिद्धान्त
Director principles of State Policy.

(ii) मानवाधिकार एवं कट्टरपंथ
Human Rights and Fundamentalism.

(iii) मानवाधिकार एवं अशक्त व्यक्ति
Human Rights and person with disabilities.

(iv) सामाजिक आन्दोलन
Social Movement

(v) गैर कानूनी ढ़ंग से इकट्ठा होना।
Unlawful Assembly.

(vi) प्रचार और वकालत
Campaing and Advocacy.

(vi) आदिवासी आन्दोलन
Tiibal Movement

प्र. 3. निबन्धात्मक प्रश्न। कोई चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 4 x 10 = 40
Essay Type quesstions. Answer any four questions.

(i) मानवाधिकार परंपरा के विकास में जैन धर्म के योगदान की चर्चा कीजिए।
Discuss the contribution of Jainism in developing Human Rights Traditions.

(ii) आप के अनुसार भारत के स्वाधीनता आंदोलन में मानवाधिकारों में शामिल करने के निहितार्थ क्या थे।
What implication do you see in the integration of human rights in to the feedom struggle of India.

(iii) भारत में मानव अधिकारों के संवर्धन में गैर–सरकारी संगठनों की भूमिका की चर्चा कीजिए।
Discuss the role of non-government organisation's in promotion of Human Rights in India.

(iv) भारत के संविधान के प्रतिष्ठापति विभिन्न मूल–अधिकारों की चर्चा कीजिए। ये अधिकार राज्य के नीति–निर्देशक सिद्धान्तों से किस प्रकार भिन्न है।
Discuss the various fundamental rights enshriend in the constitution of India. In what maner are these rights different from the directiue principle of state policy?

(v) महिलाओं के मानव अधिकारों से संबंधित उपबंधो और विभिन्न विद्यानों की चर्चा कीजिए।
Discuss the constitutional provision and various legislation dealing with the Human Rights of Women.

प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम परीक्षा– 2014

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : मानव अधिकार

द्वितीय पत्र – संयुक्त राष्ट्र संघ एवं मानवाधिकार

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 100

निर्देश : सभी प्रश्न हल करें। / Note : Attempt all questions.

प्र. 1. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त में दीजिए।
Answer any four of the following questions in brife. 4 x 5 = 20

(i) अंतरराष्ट्रीय रैड क्रास समिति।
International Committe of Red Cross.

(ii) एमनेस्टी इंटरनेशनल
Amnesty International (AI)

(iii) पीपूल्स यूनियन फॉर सिविल लिबर्टीज
People's Union for Civil Liberties.

(iv) राष्ट्रमण्डल मानवाधिकार प्रयास।
Are commonwealth Human Rights Intiative.

(v) बंजुल घोषणा पत्र, 1986
The Banjul Charter 1986

प्र. 2. निम्नलिखित में से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
Answer the any five of the following questions. 5 x 8= 40

(i) मानव अधिकार परिषद की विशेष प्रक्रिया पर नोट लिखें।
Write a note on the special procedures of the Human Rights Council.

(ii) आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकारों पर गठित समिति के संघटन एवं प्रकार्यों का वर्णन कीजिए।
Describe the composition and functions of the Commitee on Economic, Social and Cultural Rights.

(iii) बाल–अधिकारों को अधिक महत्त्वपूर्ण क्यों समझा जाना चाहिए?
Why Rights of children should be considered more important?

(iv) राष्ट्र संघ के घोषण–पत्र में उल्लिखित आत्मनिर्णय के सिद्धान्त का विश्लेषण कीजिए।
Analyse the concept of self determination enshrined in the Charter of United Nation.

(v) अल्पसंख्यकों को राष्ट्र–संघ के तहत् किस प्रकार संरक्षण प्रदान किया गया है।
How minorites were protected under the league of nations?

(vi) युद्ध के घायलों एवं कैदियों की सुरक्षा के लिए जनेवा कान्वेशन में कौन–से उपाय सुझाएं गये हैं। स्पष्ट करें।
What measures have been suggested in Geneva conventions for protection of wounded are prisoners of war?

(vii) स्वास्थ्य के अधिकार पर संयुक्त राष्ट्र की महत्त्वपूर्ण लिखतों की चर्चा कीजिए।
Discuss the important United Nation Instruments on Right to Health.

प्र. 3. मानव अधिकारों संबंधी सात मूल अभिसमय कौन से हैं? बाल अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र अभिसमय (CRS), 1989 की प्रमुख विशेषताओं की संक्षेप में चर्चा कीजिए। 20
What are the seven core International conventions of Human Rights? Discuss briefly the main feature of the UN convention on the Rights of the Child (CRC), 1989.

OR/अथवा

मूल निवासियों के अधिकारों के संवर्धन और संरक्षण में अंतरराष्ट्रीय समुदाय द्वारा की जाने वाली पहलों की चर्चा कीजिए।
Discuss the initiatives taken by international community in promotion and protection of Rights of indigenous people.

प्र. 4. बाल अधिकारों संबंधी संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन के बुनियादी उपबंध क्या है? भारत में उनका किस प्रकार कार्यान्वयन किया गया है? 20
What are the basic provisions of U.N. convention on Right of Child? How have they been implemented in India?

OR/अथवा

सार्वभौमिक मानवाधिकार घोषणा–पत्र की प्रासंगिकता और महत्त्व पर एक निबन्ध लिखिए।
Write an essay on the nelevance and importance of Uniuersal Declaration of Human Rights.

♦♦♦

प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम परीक्षा- 2014

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : ज्योतिष विज्ञान

प्रथम पत्र – सिद्धान्त ज्योतिष

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 100

प्र. 1. अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न (कोई पांच प्रश्न हल कीजिए)
Very short questions. Attempt any five questions. 5 x 3 = 15

(i) काल किसे कहते हैं?

(ii) घटी और घण्टे में अन्तर बतायें।

(iii) सौर वर्ष और चन्द्र वर्ष में बड़ा कौन है?

(iv) सौर मण्डल में कितने ग्रह हैं?

(v) भचक्र किसे कहते हैं?

(vi) पंचांग के पांच अंगों के नाम बताओ।

(vii) वार का प्रारम्भ मध्यरात्रि से होता है या सूर्योदय से।

(viii) तिथि वृद्धि व तिथि क्षय को समझायें।

प्र. 2. लघूत्तरात्मक प्रश्न कोई सात प्रश्न हल कीजिए। 7x5=35

(i) क्रान्ति वृत्त क्या है?

(ii) जन्म राशि व जन्म लग्न में अन्तर उदाहरण सहित समझाइये।

(iii) गण्डमूल नक्षत्र कौन से हैं? इनको गण्डमूल क्यों कहा गया है?

(iv) लग्न किसे कहते हैं? लग्न कितने अंशों का होता है?

(v) नव ग्रहों की गति का घटते क्रम में सूची बनाइयें।

(vi) नव ग्रहों की एक राशि में रहने की अवधि बताइये।

(vii) अन्तर्दशा साधन का सूत्र बताइये।

(viii) द्वादशांश कुण्डली क्या है?

(ix) षोडश वर्ग से आप क्या समझते हैं?

(x) स्थानीय समय की गणना किस प्रकार होगी?

प्र. 3. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 5x10=50

(i) सौर मण्डल क्या है? सौर मण्डल के ग्रहों पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए बताएं कि आन्तरिक ग्रह और बाह्य ग्रह क्या है?

(ii) भचक्र द्वारा 12 राशियों का विभाजन चक्र बनायें।

(iii) पंचाग के अंगों की विस्तार से व्याख्या करिये।

(iv) निम्नलिखित स्पष्ट ग्रहों के आधार पर नवांश और दृष्टिकोण कुण्डली का निर्माण कीजिए।

राशि	अंश/कला
लग्न	$9^{s}.15^{0}.20'$
सूर्य	$8^{s}.26^{0}.40'$
चन्द्र	$11^{s}.\ 13^{0}.35'$
मंगल	$9^{s}.\ 20^{0}.21'$
बुध	$8^{s}.30^{0}.31'$
गुरु	$11^{s}.40^{0}.21'$
शुक्र	$7^{s}.90^{0}.50'$
शनि	$5^{s}.23^{0}.9'$
राहू	$8^{s}.12^{0}.33'$
केतु	$2^{s}.12^{0}.33'$

(v) निम्न चन्द्र स्पष्ट के आधार पर विंशोत्तरी दशा निकालिए।
चन्द्र स्पष्ट $05^{s}.10^{0}.23'$

(v) किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए।
(i) त्रिंशांश
(ii) साम्पातिक काल
(iii) इष्ट काल

♦♦♦

प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम परीक्षा– 2014

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : ज्योतिष विज्ञान

द्वितीय पत्र – फलित ज्योतिष

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 100

प्र. 1. अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न कोई पांच प्रश्न हल कीजिए। प्रत्येक प्रश्न तीन अंक का है। 5 x 3 = 15

(i) जातक व होरा में क्या अन्तर है?

(ii) राशियों में तत्त्व व दिशा में क्या हैं?

(iii) ग्रहों की उच्च नीच राशियां कौन–कौन सी है?

(iv) ग्रहों के सम–विषय क्या है?

(v) तुला राशि का परिचय दीजिए।

(vi) गज–केसरी योग क्या है?

(vii) महादशा क्रम व उनके वर्ष बताइए।

(viii) केन्द्र व त्रिकोण भाव कौन–कौन से है?

प्र. 2. लघूत्तरात्मक प्रश्न कोई सात प्रश्न हल कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है।

7 x 5 = 35

(i) नैसर्गिक मैत्री से क्या समझते हैं? तात्कालिक मैत्री से भेद बताएं।

(ii) वक्री मार्गी व स्तम्भित ग्रह क्या है?

(iii) शनि ग्रह पर टिप्पणी लिखें।

(iv) सूर्य से बनने वाले योग समझाइए।

(v) ग्रहों की अवस्थाओं को बताइए।

(vi) त्रिक भाव व उपन्वय भाग से क्या समझते हैं?

(vii) द्वादश भावों से क्या–क्या विचार होता है?

(viii) भाव ग्रहों की पूर्ण दृष्टियों को बताइए।

(ix) मिथुन व कन्या राशि की विशेषताएं बताइये।

(x) दिग् बल क्या हैं, विभिनन ग्रह किस प्रकार दिग् बली होते हैं?

प्र. 3. निबन्धात्मक पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है)

5 x 10 = 50

(i) पंच महापुरुष योगों को उदाहरण सहित समझाइए।

(ii) ज्योति हमारे लिए किस प्रकार उपयोगी हो सकती है। संक्षेप में समझाइए।

(iii) राजयोग को समझाइए।

(iv) विंशोत्तरी महादशा गणना विधि बताएं।

(v) ग्रहों का दृष्टि–क्रम विस्तार से समझाइए।

(vi) गुरु महादशा का फल बताइए।

(vii) ज्योतिष शास्त्र के होरा–सिद्धान्त आदि विषयों का विवेचन कीजिए।

♦♦♦

प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम परीक्षा- 2014

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : प्राकृत

प्रथम पत्र – प्राकृत भाषा एवं अनुवाद रचना

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 100

निर्देश : सभी प्रश्न हल करें। सभी प्रश्नों के अंक सामने अंकित है।

प्र. 1. आदियुग, मध्ययुग एवं अपभ्रंश युग की प्राकृतों की विशेषताएं बताइए।

अथवा

विभिन्न प्राकृत व्याकरणों का विस्तार से विवेचन कीजिए। 20

प्र. 2. प्राकृत में स्वर वर्ण परिवर्तन की व्यवस्था उदाहरण सहित बताइए।

अथवा

व्यंजन परिवर्तन क्या है? मध्यवर्ती व्यंजन परिवर्तन के नियम बताइए। 15

प्र. 3. 'जिण' शब्द के रूप (दोनों वचन एवं सभी विभक्तियों में लिखिए।

अथवा

संधि किसे कहते हैं? प्राकृत की संधि व्यवस्था विस्तार से बताइए। 15

प्र. 4. निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषयों पर सोदाहरण टिप्पणी लिखिए।

(क) कारक

(ख) विशेषण

(ग) अव्यय

(घ) उपसर्ग

प्र. 5. (क) निम्नांकित किन्हीं पांच शब्दों के निर्देशानुसार रूप लिखें – 10

1. पुरिस (पंचमी, एकवचन एवं बहुवचन)
2. माला (द्वितीया, एकवचन एवं बहुवचन)
3. नई (तृतीया, एकवचन एवं बहुवचन)
4. णयर (द्वितीया, एकवचन एवं बहुवचन)
5. इमा (सप्तमी, एकवचन एवं बहुवचन)
6. क (प्रथमा, एकवचन एवं बहुवचन)
7. साहु (पंचमी, एकवचन एवं बहुवचन)

(ख) निम्नांकित किन्हीं पांच शब्दों के निर्देशानुसार रूप लिखें – 10

1. कृ (कर) (भूतकाल, प्रथम पुरुष, एकवचन)
2. भण (भविष्यत्काल, मध्यम पुरुष, एकवचन)
3. भू (हो) (वर्तमानकाल, उत्तम पुरुष, एकवचन)
4. अस् (विध्यर्थक, प्रथम पुरुष, एकवचन)
5. मुंच (आज्ञार्थक, उत्तम पुरुष, बहुवचन)

6. हण (भूतकाल, मध्यम पुरुष, बहुवचन)
7. गेण्ह (भविष्यत्काल, मध्यपुरुष, बहुवचन)

प्र. 6. (क) निम्नांकित किन्हीं पांच वाक्यों का प्राकृत में अनुवाद करें – 10

1. पुत्र पिता पर क्रोधित होता है।
2. मुनि पढ़ता है।
3. अर्थ को जानने वाला
4. कुम्हार घड़े बनाता है।
5. हम गाँव जाते हैं।
6. वह आगम पढ़ता है।
7. वह दुकान पर जाता है।

(ख) निम्नांकित किन्हीं पांच वाक्यों का हिन्दी में अनुवाद करें। 10

1. तिलेसु तेलं अत्थि।
2. ते साहुस्स सम्माणं करंति।
3. णाणेण समिद्धी हवइ।
4. मुणी तवं धरयइ।
5. सावगा समणाण नमंति।
6. पुण्णेण सुफलं हवइ।
7. धणत्तो विजज्झ सेट्ठा।

♦♦♦

(5) मुनि बालअस्स उवदिसइ।

(6) मालत्तो सुयंधो आयइ।

(7) सो माआउ धणं देह।

♦♦♦

प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम परीक्षा- 2014

(पत्राचार पाठ्यक्रम)

विषय : प्राकृत

द्वितीय पत्र - प्राकृत काव्य साहित्य

समय : 3.00 घण्टे पूर्णांक : 100

निर्देश : सभी प्रश्न हल करें। सभी प्रश्नों के अंक सामने अंकित है।

प्र. 1. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। 12+12=24

(अ) कासवो तम्मि कविले खुड्डलए चेव कालगओ। ताहे तम्मि मए तं पयं राइणा अन्नस्स विप्पस्स दिन्नं। सो य आसेण छत्तेण य धरिज्जमाणेण वच्चइ। तं दट्ठूण जसा परुण्ण। कविलेण पुच्छिया। ताए सिट्ठं जहा- पिया ते एवं विहाए इड्ढीए विग्गच्छियाइओ, जेण सो विज्जासंपन्नो।

(ब) तओ जहा जोव्वणं समाकहइ पसंसिज्जइ य घर-नयनर-लोएण, तहा समुप्पण्ण-मच्छरा सयलाणत्थमूला मूला दूमिज्जइ। निय-चित्तेण चिंतेइ- ''अहो एसा मह अभोयणा विसूइया, निन्निबंधणा विसकंदालि व्व पवड्ढ-मणा सव्वाणत्थनिबंधणा, किंपाग-फल-भक्खणं व विरसावसाणा, लहु-वाहि व्व उव्वेक्खिया दुक्खदायगा भविस्सइ। एवं कुवियप्प-सप-संकुलाए वच्चइ कालो मूलाए।

(स) जया ऐसा रूयंतो, सकम्मं निंदंतो चंडालेण सह गच्छेइ। तया एगो कारुणिओ बुद्धिनिहाणो वहाइ नेइज्जमाणं तं दट्ठूणं कारणं णच्चा तस्स रक्खणाय कण्णे किंपि कहिऊण उवायं दंसेइ। हरिसंतो जया वहत्थंमे ठविओ, तया चंडालेण सो पुच्छिओ– 'जीवणं विणा तव कावि इच्छा सिया, तया मग्गसु त्ति।

प्र. 2. निम्नलिखित पद्याशों में से किन्हीं दो का सप्रसंग व्याख्या कीजिए। 8+8=16

(अ) कण–कुण्डगं चइत्ताणं, विट्ठं भुंजइ सूयरे।
एवं सीलं चइत्ताणं, दुस्सीले रमई मिए।।

(ब) ते धन्ना कयपुण्णा जे जिणधम्मं धरंति निअहियए।
तेसिं चिअ मणुयत्तं सहलं सलहिज्जए लोए।।

(स) सयलाओ इमं वाया विसन्ति एत्तो य णेन्ति वायाओ।
एन्ति सुमुद्दं चिय णेन्ति सायराओ चिय जलाइं।।

प्र. 3. अमांगलिक पुरुष की कथा अथवा जैसो गुरु वैसा शिष्य नामक कथां विस्तार से लिखिए। 12

प्र. 4. लोभ का अन्त नहीं <u>अथवा</u> ग्रामीण गाडीवान नामक कथाओं की शिक्षाएं अपने शब्दों में लिखिए। 12

प्र. 5. निम्नांकित में से किन्हीं दो पर संक्षेप टिप्पणी लिखिए। 5+5=10

(अ) कुम्मापुत्तचरिअं की भाषा

(ब) अगडदत्त कथा की परम्परा

(स) प्राकृत काव्य की सुमधुरता

प्र. 6. निम्नांकित शब्दों में से कोई पांच शब्दों के अर्थ लिखिए। 2 X 5=10

(1) अरई (2) पज्जत्त

(3) पउरा (4) वट्टा

(5) ववहारो (6) अणत्थ

(7) सुणी

प्र. 7. निम्नलिखित वाक्यों का प्राकृत भाषा में अनुवाद करें (कोई चार) 8

(1) मैं बालक के लिए फल देता हूं।

(2) वह पाप से घृणा करता है।

(3) राम गाँव को जाता है।

(4) बालक भाई के साथ विद्यालय जायेगा।

(5) वह मुझे देखता है।

(6) जल के बिना कमल नहीं।

(7) दुर्जन का धिक्कार है।

प्र. 8. निम्नलिखित वाक्यों का हिन्दी में अनुवाद करें (कोई चार) 8

(1) अहं गामं गच्छामि।

(2) सो पण्हं पुच्छइ।

(3) सो पढ़णे लग्गो।

(4) जलं बिना कमलं नत्थि।

Q. 4. जैन साधु के लिये निर्धारित आचार संहिता क्या है?
What is the code of conduct prescribed for a Jain Monk. 20

OR

कर्म सिद्धान्त के सम्बन्ध में तप का क्या स्थान है? स्पष्ट कीजिए।
Explain the place of Austeritics (Tapa) in relation to the doctrine of karman.

Q. 5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए –
Write short notes on any two of the following : 2 x 10 =2 0

(i) चातुर्मास धर्म
Caturyam Dharama

(ii) जैन मन्दिर
Jain Temple

(iii) गुणव्रत
Gunavratas

(iv) धर्म ध्यान
Dharma Dhyana

♦♦♦

CERTIFICATE COURSE EXAMINATION 2014

(Correspondence Course)

Subject - Jain Religion and Philosophy

Paper - I : Jain Religion

Time : 3.00 Hrs. M.M. 100

Q. 1. संस्कृति के महत्त्व को बताइये तथा श्रमण व वैदिक विचार धाराओं के सम्बन्ध में लिखिए।
Explain the importance of culture and write about the sramana and vedic trends. 20

OR

भगवान महावीर की एतिहासिकता पर प्रकाश डालें।
Discuss the historicity of Lord Mahaveera.

Q. 2. जैन चित्रकला किन–किन रूपों में प्राप्त होती है? विस्तार से लिखें।
Write in detail whta kinds of Paintings are found in Jaina art. 20

OR

आचार्य तुलसी के दर्शन एवं अणुव्रत आन्दोलन के प्रभाव को लिखिए।
Write on philosophy and impact of Anuvrata movement of Acharya Tulsi.

Q. 3. जैन आगम साहित्य का संक्षिप्त परिचय लिखिए।
Write briefly about Jain Canonical Literature. 20

OR

जैन दार्शनिक साहित्य पर एक निबन्ध लिखिए।
Write an essay on Jain Philosophical Literature.

Q. 3. आत्मिक विकास की चौदह अवस्थाओं (14 गुणस्थान) को स्पष्ट कीजिए।

Explain the 14 stages of spirtual development. 20

OR

इन्द्रिय ज्ञान क्या है?

What is sensory Perception.

Q. 4. जैन दर्शन के अनुसार 'प्रमाण' का वर्णन कीजिए। 20

Define the Jain theory of 'Pramana'.

OR

नय के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।

Define the theory of 'Naya'

Q. 5. निम्न में से किन्ही चार पर टिप्पणी लिखिए। 2 x 10 =2 0

Write a short note (any four)

(i) आकाश/Sapce

(ii) कर्म/Karma

(iii) संवर/Samvara

(iv) अनेकान्तवाद/Anekantvada

(v) द्रव्य/Substance

(vi) ज्ञान/Knowledge

♦♦♦

CERTIFICATE COURSE EXAMINATION 2014

(Correspondence Course)

Subject - Jain Religion and Philosophy

Paper - II : Jain Philosophy

Time : 3.00 Hrs. M.M. 100

Note : Attempt all questions. All questions carry equal marks.

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Q. 1. जैन दर्शन में मान्य सृष्टि प्रक्रिया का वर्णन कीजिए।

Define the Jain View of Cosmology. 20

OR

पुद्गल का स्वरूप लिखिए।

Write the theory of 'Pudgal.'

Q. 2. जैन दर्शन के अनुसार आत्मा का स्वरूप लिखिए।

Write the nature of soul according to Jain Philosophy. 20

OR

जैन जीव विज्ञान क्या है? विस्तार से लिखिए।

What is Jain Biology. Write in detail.

OR/अथवा

''जैनकला में आध्यात्मिकता'' विषय पर निबन्ध लिखिए।
Write an essay on Spirituality in Jain Art.

Q. 4. खजुराहो जैन मंदिर के महत्त्व को स्पष्ट कीजिए। 20
Explain the Importance of Khajuraho Jain Temple.

OR/अथवा

श्रवणबेलगोला के महत्त्व को स्पष्ट कीजिए।
Illustrate the Importance of Sravahbelgola.

Q. 5. जैन स्तूप से आप क्या समझते हैं? विस्तार से लिखिए। 2 x 10 =2 0
What you know about Jain Stupas? Write in detail.

OR/अथवा

निम्न में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए।
Write a short note on (any two)

(i) गुप्तकला/Gupta Art

(ii) ऐलोरा की गुफाऐं/Ellora Caves

(iii) यक्ष/Yaksha

(iv) सरस्वती/Sarasvati

♦♦♦

CERTIFICATE COURSE EXAMINATION 2014

(Correspondence Course)

Subject - Jain Art and Aesthetics

Paper - I : Jain Art

Time : 3.00 Hrs. M.M. 100

Note : Attempt all questions. All questions carry equal marks.

Q. 1. कुषाणकाल में कला के स्वरूप का वर्णन कीजिए।
Describe the nature of Art in the Kushan Period. 20

OR/अथवा

मध्ययुगीन कला को स्पष्ट कीजिए।
Explain the Medieval Art.

Q. 2. देवगढ़ के महत्त्व एवं विशेषताओं को लिखिए।
Write the speciality and Importance of Deogarh. 20

OR/अथवा

''देलवाड़ा मन्दिर विश्व प्रसिद्ध मंदिर है'' क्यों? सिद्ध कीजिए।
"Delvada Temple is a world Famous Temple" Why? Prove it.

Q. 3. जैन चित्रकला एवं मूर्त्तिकला का उद्‌भव एवं विकास प्रतिपादित कीजिए।
Illustrate the origin and development of Jain Image and iconography. 20

CERTIFICATE COURSE EXAMINATION 2014

(Correspondence Course)

Subject - Jain Art and Aesthetics

Paper - II : Jain Aesthetics

Time : 3.00 Hrs. M.M. 100

Note : Attempt all questions. All questions carry equal marks.

Q. 1. भारतीय सौन्दर्यशास्त्र पर आगमिक साहित्य का परिचय दें।

Write about the canonical literature on Indian Aesthetics. 20

OR/अथवा

'सत्यम्, शिवम्, सुन्दरम्' की उक्ति के सन्दर्भ में सौन्दर्य–विषयक भारतीय अवधारणा को स्पष्ट करें।

Explain the Indian concept of beuty in the context of saying satyam, shivam, sundaram.

Q. 2. जैन कला के सामाजिक–दार्शनिक सौन्दर्य–मूल्य को प्रकट करें।

Bringout the socio-philosophical aestheitc Value of Jain Art. 20

OR/अथवा

त्रिषष्टिशलाका पुरुष चरित के सौन्दर्य विषयक विवरणों की विवेचना करें।

Discuss the aesthetic contents of Trishasti-shalaka-purush-charit. (त्रिषष्टिशलाका पुरुष चरित)

Q. 3. सौन्दर्य–मूल्यांकन के सन्दर्भ में जैन मन्दिरों और प्रतिमानिर्माणकला का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत करें।

Make a brief survey of Jain Temples and Sculptures with reference to the aesthietic appreciation. 20

OR/अथवा

जैन मन्दिरों व खजुराहो की प्रतिमानिर्माणकला का सौन्दर्य–मूल्यांकन प्रस्तुत करें।

Make an aesthetic appreciation of Jain temple & sculpture of Khajuraho. (खजुराहो)

Q. 4. देलवाड़ा व खजुराहो की जैन शिल्पकला के सौन्दर्य पक्ष की विवेचना करें। 20

Discuss the aesthetic aspects of Delvada & Khajuraho Jain Architecture.

OR/अथवा

सौन्दर्य पक्ष के सन्दर्भ में जैन शिल्पकला की सामान्य विशेषताओं का निरूपण करें।

Write about the general features of Jain Arehiticture with reference to its aesthetic aspect.

Q. 5. दक्षिण भारतीय जैन मन्दिरों के सौन्दर्य–मूल्यों के बारे में आप क्या जानते हैं? 20

What do you know about the aesthetic value of South Indian Jain Temples.

OR/अथवा

भारतीय सौन्दर्य–परक दृष्टि से जैन तीर्थ–पट्ट–चित्रकला की महत्ता का निरूपण करें।

Describe the importance of Jain Tirtha Patta Paintings with Indian aesthetic view-point.

♦♦♦